



**बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग,
हरियाली मिशन**



कृषि वानिकी (अन्य प्रजाति के लिए) योजना

कृषि वानिकी के 7 स्तंभ



पौधों का चुनाव

स्वस्थ तथा बीमार मुक्त पौधा का चुनाव करें।



- बड़े ट्यूब के लिए 3 फीट के स्वस्थ पौधे को प्राथमिकता दें।
- छोटे ट्यूब के लिए डेढ़ फीट के स्वस्थ पौधे का चुनाव करें।

पौधारोपण हेतु आवश्यक यंत्र



औघर



कुदाल

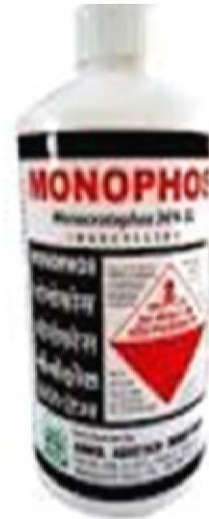


नापने का फीता



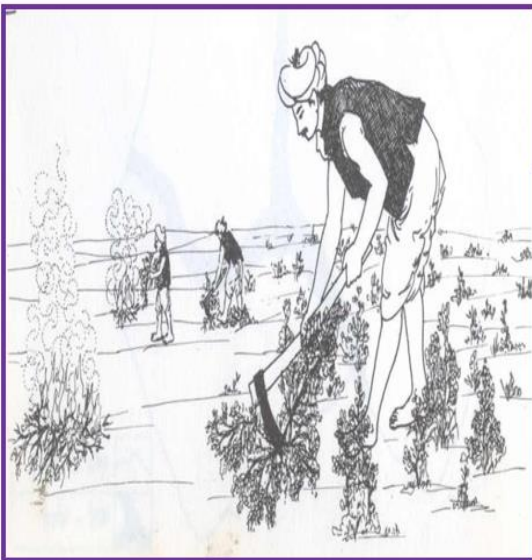
सूत की मोटी रस्सी

पौधारोपण हेतु आवश्यक सामग्री



खेत की तैयारी

स्थल को साफ कर लें।



जमीन समतल हो एवं जल जमाव न हो।



अब रस्सी की मदद से चिन्ह लगा लें



पौधारोपण की अवधि

1. वर्षाकालीन पौधारोपण

➤ जुलाई –अगस्त महीने में करें।

2. वसंतकालीन पौधारोपण

➤ फरवरी –मार्च महीने में करें।

गड्ढे की खुदाई



1 QhV X 1 QhV X 1 QhV vkdj dk xM~<+k ikS/kkjksi.k ds fy, djsaA

गड्ढा भराई हेतु आवश्यक सामग्री



DAP



मिट्टी

बाल

गोबर खाद

मिट्टी का मिश्रण



सभी सामग्री को अच्छी तरह मिला ले।

गड्ढे की भराई



मिश्रित मिट्टी को गड्ढे में भर दें।

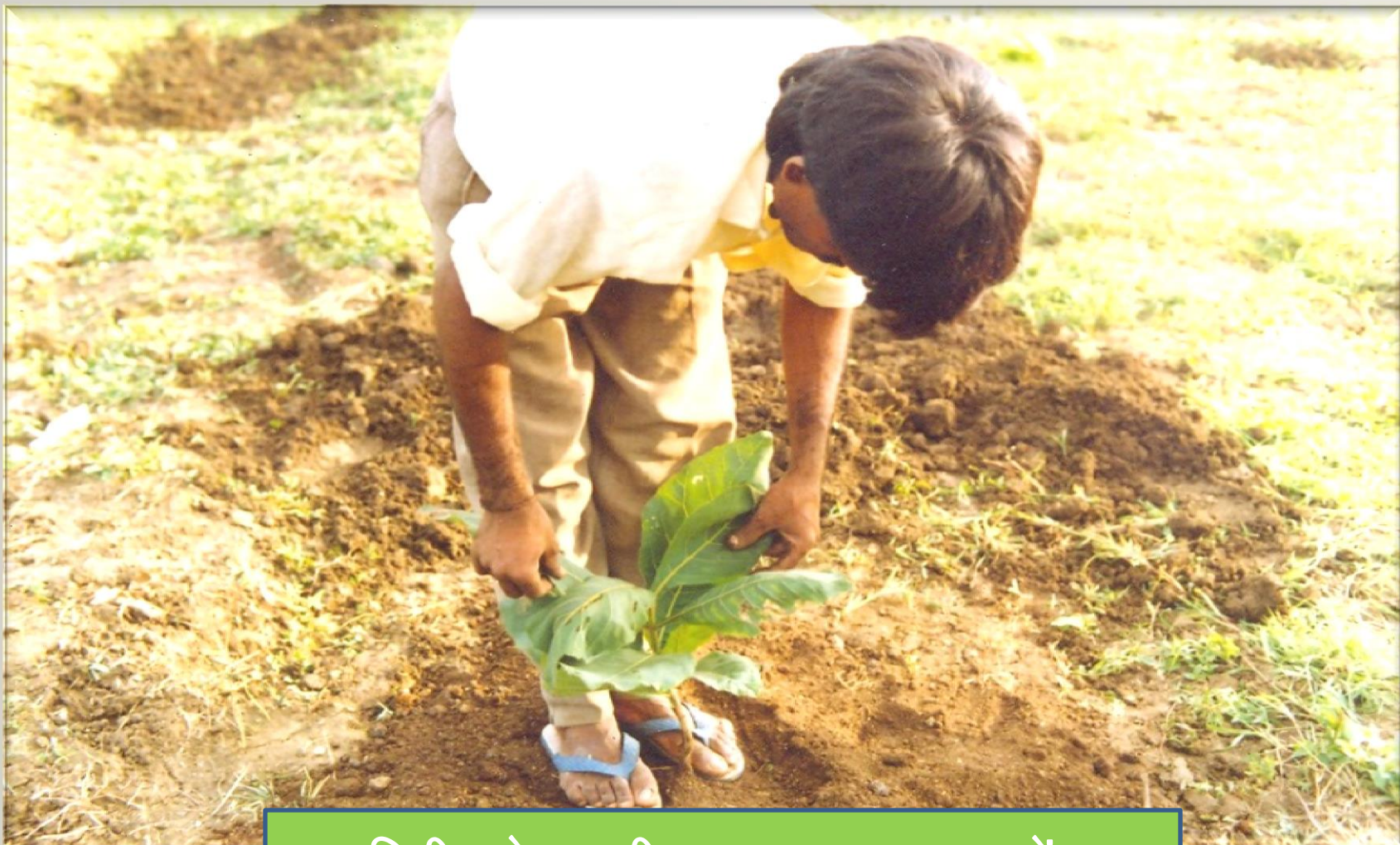
पौधारोपण



पोलोथिन बैग को अच्छी तरह फाड़े ताकि जड़ एवं मिट्टी को नुकसान ना हो।



गड्ढे के बीच में पौधा सीधा रखें ।



मिट्टी को अच्छी तरह भरकर दबा दें।



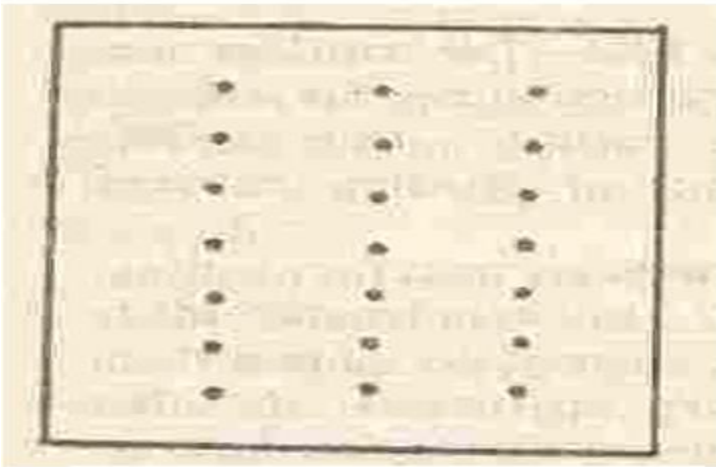
मिट्टी का घेरा बनाकर पानी डालें।

तैयार पौधा

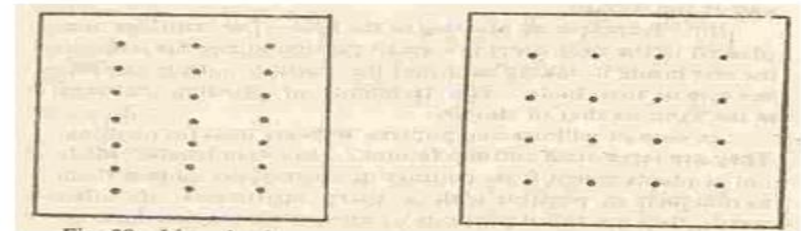


ध्यान देने योग्य बातें

पंक्ति पौधारोपण



ब्लॉक पौधारोपण



पौधारोपण के लिए दूरी

दूरी	पौधा प्रति एकड़
3m X 3m	445
मेड़ रोपण	
एक से दूसरे पौधों की दूरी 8 से 10 फीट रखें ।	

सिंचाई प्रबंधन

माह जनवरी से अप्रैल— महीने में 4 बार ।

माह मई से जून—महीने में 5 बार ।

माह जुलाई से अक्टूबर—आवश्यकतानुसार ।

खरपतवार नियंत्रण



पहला साल – तीन बार

पहली बार : जुलाई – अगस्त
दूसरी बार : अगस्त – सितम्बर
तीसरी बार: सितम्बर – अक्टूबर

दूसरा साल :- दो बार

पहली बार : जुलाई – अगस्त
दूसरी बार : सितम्बर – अक्टूबर

तीसरा साल :- एक बार

साल में एक बार अगस्त महीने में।

छाजन

पेड़ के पास चारों तरफ से उपरी सतह पर छाजन करें।



छाजन के लिए खरपतवार, पुआल, भुसा, पत्ता आदि का उपयोग कर सकते हैं।

योजना से लाभ

हरियाली मिशन के तहत निर्धारित मापदंड अनुसार गुणवत्ता युक्त पौधों की जीवितता के आधार पर निर्धारित राशि कुल तीन वर्ष तक दी जायेगी ।



- प्रथम वर्ष : 15 रुपये ।
- द्वितीय वर्ष : 10 रुपये ।
- तृतीय वर्ष : 10 रुपये ।

उपयोगिता

पत्तियों से चारा एवं टहनियों से अच्छा जलावन प्राप्त होता है।

पत्तियाँ खेतों में गिरकर खाद का काम करती हैं।



